(ङ) संयंत्रों में सामान्य मरम्मत तथा प्रतिस्थापन के अतिरिक्त सभी एककों में कैपटिव पावर संयंत्र स्थापित किए गए हैं । संयंत्रों के मुख्य पुनरुद्धार का कोई कार्य नहीं किया जा सका क्योंकि उच्च निवेश तथा उससे उत्पन्न आवर्ती उच्च राजसहायता दायित्व को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को लाभप्रद नहीं समझा गया । अब कम्पनी को बी आई एफ आर द्वारा रूग्ण घोषित कर दिया गया है और सरकार को निर्देश दिया गया है कि 31–3–1993 तक लाभप्रद पुनरूद्धार पैकेज प्रस्तुत करें ।

"हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लिमिटेड" कोचीन में संकट

1980. **श्री अजीत जोगी** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या "हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लिमिटेड" कोचीन को बेन्जीन की कीमतों में वृद्धि की वजह से संकट का सामना करना पड़ रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में क्या निवारक कदम उठाए जा रहे हैं ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

उर्वरकों के विपणन पर प्रतिबंध समाप्त करने का प्रस्ताव

1981. **श्री अजीत जोगी** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार सभी किस्म के उर्वरकों के विपणन पर प्रतिधारण कीमत तथा पूल और क्षेत्र प्रतिबंध समाप्त करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) इसका उर्वरक उद्योग पर क्या प्रभाव पड़ेगा; और

(घ) कीमतों में वृद्धि की वजह से रासायनिक उर्वरकों के उत्पादन तथा उनके उपभोग पर किस सीमा तक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो) : (क) से (घ) इस समय नाइट्रोजनी उर्वरकों के सम्बन्ध में प्रतिधारण मूल्य योजना अथवा मूल्य एवं संचलन नियंत्रण समाप्त करने के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है । तथापि, फास्फेटिक एवं पोटाशिक उर्वरकों पर मूल्य एवं संचलन नियंत्रण 25–8–1992 से वापस ले लिये गये थे । अनियंत्रण के पश्चात् कई घरेलू फास्फेटिक एकक अपेक्षाकृत सस्ते आयातों से प्रतिस्पर्धा में कठिनाई की रिपोर्ट दे रहे हैं । अक्टूबर 1992 से जनवरी 93 की अवधि के दौरान P_2O_5 के रूप में फास्फेटिक उर्वरकों का कुल उत्पादन 7.44 लाख टन तक पहुंच गया । जबकि अक्तूबर 1991 से जनवरी 92 के दौरान यह 8.83 लाख टन था । चालू रबी सत्र के दौरान डाई अमोनियम फास्फेट (डी ए पी) की बिक्री में गत रबी सत्र की तुलना में लगभग 32% की कमी आई है और एमओपी के सम्बन्ध में यह कमी 55% है ।

Allegations of corrupton against the Officials of the Department of Chemicals

1982. SHRI H. HANUMANTHAPPA:

SHRIMATI SATYA BAHIN:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that serious allegations have been made on the issue of non-determination of liabilities and also non-recovery of dues from the drug companies as appeared in the 'Orissa Times' dated the 14th December, 1992; and

(b) what is the reaction of Government thereto and what is the position of assessment of liabilities and recovery of dues?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILISERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) and (b) Government's attention has been drawn to the news-item under the caption "Finance Ministry's liberal duty exemption to M/s Glaxo" appeared in the 'Orissa Times' dated 14-12-1992. There is a reference in the news item to the assessment of liabilities against M/s Glaxo. This matter is at present being heard by the Delhi High Court and as such is sub-judice.

आई० डी०पी० एल० द्वारा पूंजीगत निधि का वापस लिया जाना

1983. **श्री अजीत जोगी :**
श्री छोटू भाई पटेल :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इंडियन ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान और चालू वित्तीय वर्ष में वर्षवार वापस ली गई पूंजीगत निधि का ब्यौरा क्या है ; और

(ख) उक्त अवधि के दौरान कुल कितना पूंजीगत खर्चा किया गया और यदि कोई अतिरिक्त धनराशि निकाली गई तो वह कितनी है ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फलेरियो) : (क) और (ख) इंडियन ड्रग्स एण्ड फार्मास्युटिकल्स लि० के पक्ष में सरकार द्वारा दी गई योजना धनराशियों और पिछले तीन वर्षों के दौरान और चालू वित्तीय वर्ष (28 फरवरी, 1993 तक) में आई डी पी एल द्वारा पूंजीगत कार्यों पर किये गए वास्तविक व्यय के ब्यौरे नीचे दिए जाते हैं :—

(रुपए करोड़ में)

वर्ष	सरकार द्वारा दी गई राशि	पूंजीगत कार्यों पर वास्तविक व्यय	ली गई अधिक राशि यदि कोई हो
1989–90	8.00	3.52	4.48
1990–91	0.09	1.57	कुछ नहीं
1991–92	2.36	2.36	कुछ नहीं
1992–93 (28–2–93 तक)	2.35	2.35	कुछ नहीं

Ratio parameters in 1986 Drug Policy

1984. SHRI RAJNI RANJAN SAHU:
SHRIMATI SATYA BAHIN:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what is the thrust of ratio parameters in 1986 Drug Policy;

(b) what they aim at and in what manner these would help basic production of drugs in the country;

(c) whether any concrete success is achieved due to ratio parameters after the 1986 policy was announced;

(d) if so, what are the details thereof, year-wise; and

(e) whether it is a fact that since import of intermediates and penultimates has been ignored in the ratio parameters?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILISERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a), (b) and (c) There are two ratio parameters laid